Title: Need to check pollution in Damodar and Barakar rivers of Jharkhand and take legal action against the polluting industries.

श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता (हज़ारीबाग) : उपाध्यक्ष महोदय, झारखण्ड में दो बड़ी नदियां दामोदर और बराकर हैं। इन दोनों नदियों से आज भी झारखण्ड के लाखों लोग पानी पीते हैं। वहां के पशु-पक्षी और जंगली जानवर भी वहीं से पानी पीते हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि भारत की अगर सबसे प्रदूषित नदी कोई है तो वह दामोदर है। दामोदर नदी में सी.सी.एल. और बी.सी.एल. के जो कारखाने हैं, उनकी छाई और कोयले की डस्ट इसी बहाई जाती है। दामोदर वैली कारपोरेशन की जो योजनाएं हैं, चाहे वह बोकारो थर्मल स्टेशन हो या चन्द्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन हो, दोनों से राख और छाई इसी नदी में बहाई जाती है।

इसके साथ-साथ जितने भी प्राइवेट सैक्टर के कल-कारखाने हैं, चाहे सीमेण्ट के कारखाने हों या दूसरे कारखाने हों, उनका सारा कचरा उसी नदी में बहाया जाता है। आज दुर्भाग्य की बात यह है कि कोयला उद्योग के चलते झारखण्ड के लगभग आधा से ज्यादा दर्जन जिले, चाहे वह चतरा हो, हजारीबाग हो, बोकारो हो, धनबाद हो, जो दोनों नदियां इन जिलों से होकर जाती कोयला उद्योग के चलते, वहां का जलस्तर नीचे चला गया है। मजबूरी में वहां के लोगों को वही गंदा पानी पीना पड़ता है। आज लाखों लोग टीबी तथा अन्य रोगों से ग्रसित हैं। पर्यावरण विभाग को बार-बार आवेदन पत्र देने तथा इसके खिलाफ बोलने के बाद भी कुछ नहीं किया गया है। इसके लिए झारखण्ड में आंदोलन भी चलाया जा रहा है। लेकिन न सरकार सुनती है और न ही पर्यावरण विभाग सुनता है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि झारखण्ड की सबसे बड़ी नदियां दामोदर और बारकर हैं, इन्हें प्रदूषण से मुक्त किया जाए। सरकारी और प्राइवेट कल-कारखानें इन नदियों के पानी को गंदा कर रहे हैं, उन पर आवश्यक कार्यवाही की जाए।